

02262

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2012

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY-I

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) Answer *all five* questions.
(ii) All questions carry *equal* marks.
(iii) Answer to question no. 1 and 2 should be in about *400 words each*.
-

1. What is the concept of self in the carvaka system of thought ? Discuss. 20

OR

Do you think that upanishadic philosophy is monistic in nature ? Explain. 20

2. What are the different states of mind according to the Mandukya Upanishad ? Explain. 20

OR

Critically examine the Jaina Epistemology. 20

3. Answer *any two* of the following questions in about 200 words each.
- (a) Briefly describe the Vedic theology. 10
 - (b) Is Bhakti considered relevant in the teachings of Upanishads? Explain. 10
 - (c) Describe the theory of perception of Carvaka. 10
 - (d) Explain the Buddhists doctrine of dependent origination. 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each.
- (a) Describe 'Sunnyavada' of Madhyamika. 5
 - (b) Explain the concept 'Tajjalan'. 5
 - (c) What is realization of the self in the Upanishads? 5
 - (d) Elaborate the concept of 'Tatvam Asi'. 5
 - (e) Describe the concept 'Akshara Brahman'. 5
 - (f) Differentiate between Para and Aparā Vidya. 5
5. Write short notes on *any five* of the following in about 100 words each.
- (a) Kama 4
 - (b) Turiya 4

(c)	Aum	4
(d)	Atman	4
(e)	Prama	4
(f)	Darsana	4
(g)	Dharma	4
(h)	Moksha	4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2012

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र-I

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. चार्वाक दर्शन में प्रस्तुत आत्म-विचार का विस्तार से उल्लेख 20
कीजिए।

अथवा

आपके विचार में क्या उपनिषदों में अद्वैत दर्शन का प्रतिपादन 20
किया गया है? स्पष्ट समझाईये।

2. माण्डूक्य उपनिषद् में उल्लेखित मन की चार अवस्थाओं का 20
विस्तार से वर्णन कीजिए।

अथवा

जैन दर्शन की ज्ञान-मीमांसा का स्पष्ट रूप से परिक्षण कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) वैदिक ईश्वर-दर्शन का वर्णन कीजिए। 10
- (b) क्या उपनिषदिक दर्शन में भक्ति एक उपयुक्त मोक्ष प्राप्ति का साधन स्वीकार किया गया है? स्पष्ट कीजिए। 10
- (c) चार्वाक के प्रत्यक्ष सम्बंधी विचार की व्याख्या कीजिए। 10
- (d) प्रतित्यसमुत्पाद (theory of dependent origination) का वर्णन कीजिए। 10
4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए।
- (a) माध्यमिक दर्शन के 'शून्यवाद' को स्पष्ट कीजिए। 5
- (b) 'तज्जलान' के विचार को समझाइये। 5
- (c) उपनिषदों में प्रस्तुत आत्म-अनुभूति का उल्लेख कीजिए। 5
- (d) 'तत्वम् असि' पद का वर्णन कीजिए। 5
- (e) 'अक्षर ब्रह्म' के विचार की व्याख्या कीजिए। 5
- (f) परा एवं अपरा विद्या में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5
5. **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त (लगभग 100 शब्द) में टिप्पणी कीजिए।
- (a) काम 4
- (b) तूरिया अवस्था 4

(c)	ओम्	4
(d)	आत्मन	4
(e)	प्रमा	4
(f)	दर्शन	4
(g)	धर्म	4
(h)	मोक्ष	4
